अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अधिवेशन में
प्रधान मंत्री का भाषण

कांग्रेस पार्टी के 125वें साल में हो रहे इस ऐतिहासिक session में मैं आप सब का स्वागत करता हूं। यह मेरे लिए बेहद खुशी की बात है कि मुझे इस अधिवेशन में भाग लेने और आपके सामने अपनी बात रखने का अवसर मिला है।

All India Congress Committee का यह Session हमें इस बात पर गौर करने का मौका देता है कि कांग्रेस पार्टी के उसूलों पर अमल करने के लिए हमें किस दिशा में कदम बढ़ाने चाहिए। आज के दिन हमें यह सोचना चाहिए कि महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल और मौलाना आज़ाद जैसे महान् नेताओं ने जिन गौरवशाली परंपराओं की शुरुआत की, उन पर हम किस तरह से चल सकते हैं। सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी की परंपरा, धर्मनिरपेक्षता और सहनशीलता की परंपरा, और एक मज़बूत और नया भारत बनाने के लिए काम करने की परंपरा।

आज के मौके पर हमें श्रीमती इंदिरा गांधी जी की सीख याद करनी चाहिए कि जनता की भलाई के लिए काम करना हरेक कांग्रेस कार्यकर्ता का पहला फर्ज़ है। आज हमें भारत के निर्माण में श्री राजीव गांधी जी के योगदान को याद करना चाहिए जिन्होंने हमें 21वीं सदी के हालात और चुनौतियों से रूबरू कराया और उनका सामना करने का रास्ता दिखाया।

यह हमारी खुशनसीबी है कि आज हम श्रीमती सोनिया गांधी जी के नेतृत्व में काम कर रहे हैं। श्रीमती सोनिया गांधी जी की विनम्रता, साफ-सुथरी राजनीति में उनका यकीन और कांग्रेस को एक बेहतर पार्टी बनाने का उनका मज़बूत इरादा, ये सब हमें प्रेरणा और ताकत देते हैं।

भारत की तरक्की के सफर में कांग्रेस पार्टी की बहुत बड़ी भूमिका रही है। हमारी पार्टी पिछले 125 सालों से भारत को विकसित और मज़बूत बनाने की कोशिश कर रही है। लेकिन हमें अभी एक लंबा फासला तय करना है। मैंने पहले भी कहा है और आज फिर कहता हूं, सिर्फ कांग्रेस ही ऐसी पार्टी है, जो सारे देश को, समाज के हरेक तबके को और आम आदमी को साथ लेकर देश को आगे ले जा सकती है। सिर्फ कांग्रेस ही देश को स्थिरता दे सकती है। सिर्फ कांग्रेस ही सारी दुनिया में भारत का नाम रोशन कर सकती है। कांग्रेस मज़बूत होगी तो देश मज़बूत कर सकेगी। इसलिए, इस महान् पार्टी के एक कार्यकर्ता की हैसियत से, मैं आज आप सबसे अपील करना चाहूंगा कि कांग्रेस को मज़बूत और बेहतर बनाने के लिए आप पूरी लगन और मेहनत से काम करें।

यह session एक ऐसे समय में हो रहा है, जब हमारी पार्टी और UPA सरकार पर तरह तरह के इलज़ामात लगाए जा रहे हैं। हमारे मकसद और उसूलों पर शक किया जा रहा है। राजनैतिक स्वार्थों के लिए हमारे रिकार्ड पर सवाल उठाए जा रहे हैं। यह कहा जा रहा है कि हम भ्रष्टाचार के प्रति उतने चौकस नहीं हैं, जितना कि हमें होना चाहिए। इस मुद्दे पर मैं कांग्रेस पार्टी और UPA सरकार का रुख साफ कर देना चाहता हूं। हम भ्रष्टाचार रोकने के लिए हर मुमकिन कोशिश करते रहे हैं और करते रहेंगे। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर हमारा रवैया हमारी कार्रवाई में साफ नज़र भी आता है। चाहे केन्द्र हो या राज्य, हमारे मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने उसूलों की सियासत

का लिहाज़ करते हुए सिर्फ शक के घेरे में आने पर ही इस्तीफा दिया है। हम विपक्ष की तरह नहीं हैं, कि किसी राज्य में scandal पर scandal होते रहें और मुख्यमंत्री अपने ओहदे पर बने रहें। कॉमनवेल्थ गेम्स के आयोजन और 2जी स्पेक्ट्रम Allotment के सभी मुद्दों पर जांच की जा रही है। यह जांच तेज़ी से की जाएगी और मेरा आपसे वायदा है कि किसी भी कसूरवार को बख्शा नहीं जाएगा। चाहे वह राजनेता हो या सरकारी मुलाजिम, चाहे वह किसी भी राजनैतिक दल से ताल्लुक रखता हो, या चाहे वह कितना भी ताकतवर हो। मैं आपसे और आपके जरिए सभी देशवासियों से यह भी कहना चाहता हूं कि अगर सरकार के काम में कहीं कोई कमी नज़र आती है तो उसे भी दूर किया जाएगा ताकि भ्रष्टाचार को रोकने की हमारी कोशिशें और असरदार हो सकें। मैं इन सभी कामों में कांग्रेस पार्टी के सभी सदस्यों से सहयोग की उम्मीद रखता हूं। ज़िम्मेदार नागरिक की हैसियत से हम सबका फर्ज़ बनता है कि हम भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज़ उठाएं। अगर आपको कहीं भ्रष्टाचार होता नज़र आता है, तो उसे रोकने की और उसकी रिपोर्ट करने की आपको पूरी कोशिश करनी चाहिए।

हम संसद् में इन सारे मुद्दों पर चर्चा चाहते थे। लेकिन विपक्ष की ज़िद की वजह से संसद् का एक पूरा सत्र बर्बाद हो गया। विपक्ष की 2G Spectrum मामले की JPC से जांच करवाने की मांग को समझना मुश्किल है। Comptroller & Auditor General की रिपोर्ट आने के फौरन बाद संबंधित मंत्री ने इस्तीफा दे दिया था। यह रिपोर्ट संसद् के सामने रखे जाने के बाद नियमों के अनुसार Public Accounts Commietee को भेज दी गई है। हमने यह भी पेशकश की है कि इस committee के काम में Multi disiplinary जांच agency मदद करे। जहां तक spectrum allocation में भ्रष्टाचार के आरोप हैं, उनकी जांच CBI कर रही है और यह जांच Supreme Court की निगरानी में की जाएगी। इसके अलावा अगर Spectrum allocation में procedure की या administrative तौर पर कमियां थीं, तो उनको सामने लाने का काम एक Retired Supreme Court Judge को सौंपा गया है। यह सब कार्रवाई होने के बाद अब यह समझना बहुत मुश्किल है कि एक JPC कौन से विषय पर जांच करेगी।

संसद, सरकार के कामकाज पर नज़र रखने और उसमें सुधार लाने का सबसे अच्छा ज़रिया है। संसद हमारे लोकतंत्र की बुनियाद है। यह सोचने वाली बात है कि जब विपक्ष को संसद पर ही भरोसा नहीं है, तो वे किस तरह की राजनीति में विश्वास रखते हैं।

आप सब जानते हैं कि वर्ष 2004 में कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में UPA सरकार बनने के बाद हमने अपनी नीतियों और कार्यक्रमों में आम आदमी की भलाई पर ज़ोर दिया है। हमारा मक़सद रहा है कि देश के सभी इलाके, समाज के सभी तबके, हमारे किसान और मज़दूर, हमारे अनुसूचित जाति और जनजाति के भाई-बहन और हमारे अल्पसंख्यक भाई-बहन सब भारत के विकास में हिस्सेदार बनें। पचास साल पहले पंडित नेहरु ने All India Congress Committee को संबोधित करते हुए कहा था कि "सबसे पहले हमें यह याद रखना चाहिए कि हम जो कुछ भी करें, उसमें देश के 36 करोड़ लोगों की भलाई का जज्बा जुड़ा हो, न कि किसी छोटे तबके या किसी खास आदमी के फायदे का जज्बा। इसका मतलब यह नहीं है कि हर किसी को सब कुछ मिल जाएगा। लेकिन, पक्के तौर पर 36 करोड़ लोगों में से हर किसी को एक जैसा मौका दिया जाना चाहिए। यह जादू से या कानून से हासिल नहीं किया जा सकता। इसमें वक्त लगेगा। लेकिन, फिर भी, हमें इस दिशा में आगे बढ़ना होगा और तेजी से आगे बढ़ना होगा।" हमारी सरकार के काम के पीछे पंडित नेहरु की यही प्रेरणा रही है।

पिछले आम चुनाव में हमने देश की जनता से आम आदमी की भलाई के लिए किए गए अपने काम के आधार पर जनादेश मांगा था। हमने Rural Employment Programme, किसानों के लिए कर्ज़-माफ़ी की योजना और Bharat Nirman Programme जैसी पहलों के आधार पर जनादेश मांगा था। हमने किसानों की भलाई के लिए और कृषि पैदावार बढ़ाने के लिए किए गए काम के आधार पर एक बार फिर सरकार बनाने का मौका मांगा था। हमने कहा था कि अगर हमारी सरकार फिर से बनती है, तो हम धर्मनिरपेक्षता को मज़बूत बनाने के लिए और RTI Act जैसे कदमों से शासन को चुस्त बनाने के लिए काम करेंगे। हमने कहा था कि हम अपने अनुसूचित जाति और जनजाति के भाई बहनों, अल्पसंख्यकों और समाज के दूसरे कमज़ोर वर्गों की तरक्की के लिए और तेज़ी से काम करेंगे। हमने अपनी सुरक्षा को मज़बूत करने और दुनिया भर में भारत की नई साख बनाने के लिए भारत की जनता से जनादेश मांगा था। हमें जनादेश मिला भी। अब हमारी कोशिश है कि हम अपनी कमियां दूर करें, और अपने काम में सुधार लाएं। मैं कांग्रेस के हरेक कार्यकर्त्ता से आज अपील करना चाहूंगा कि वह हमारी सरकार की स्कीमों को लागू करने में हमारी मदद करें, ताकि जनता की सेवा करने का कांग्रेस पार्टी का मकसद पूरा हो सके।

साल 2009 के चुनाव घोषणा-पत्र में, हमने देश को आगाह किया था कि दुनिया पिछले 50 सालों के सबसे बुरे आर्थिक हालात का सामना कर रही है। इस आर्थिक मंदी ने दुनिया भर में बाजारों को काफी नुकसान पहुंचाया। हमने देश के लोगों से वादा किया था कि इन कठिन हालात से लड़ने की हम पूरी कोशिश करेंगे। हमारा वायदा था कि "कांग्रेस हर मुमकिन कोशिश करेगी कि हमारी आर्थिक तरक्की पर कोई बुरा असर न पड़े।"

हमें खुशी है कि अपने वायदे को हमने पूरा किया है। आर्थिक संकट के बावजूद हमारी आर्थिक विकास दर अच्छी रही है। पिछली दो तिमाही में यह दर 8.9% रही और हमें उम्मीद है कि पूरे साल में यह दर करीब 8.5% रहेगी। हमें यह भी उम्मीद है कि अगले साल से हम 9 से 10% की दर से आर्थिक विकास कर पाएंगे।

बढ़ी हुई आर्थिक दर की बदौलत हम सामाजिक क्षेत्र में, शिक्षा और सेहत के क्षेत्र में, ज्यादा पैसा लगा पाएंगे। Right to Education Act को राज्यों के साथ मिलकर असरदार तरीके से लागू करने की कोशिश की जाएगी। आज हमारे देश में करीब-करीब हर बच्चे की पहुंच Elementary Education तक है। अब हम Secondary Education पर भी खास ध्यान देंगे। हम उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक National Council बनाने के लिए और Innovation Universities कायम करने के लिए संसद में Bill लाएंगे। सेहत के क्षेत्र में Rural Health Mission जैसे कार्यक्रमों के जरिए, हम कोशिश करेंगे कि हमारे हरेक नागरिक को सेहत की बुनियादी सहूलियत मिल सके। इस Mission में अब communicable बीमारियों पर खास ध्यान दिया जाएगा।

कृषि के क्षेत्र में हमारा ज़ोर उत्पादकता और पैदावार बढ़ाने पर रहेगा। हमारे देश में इस साल मानसून अच्छा रहा है और हमारे गेहूं और चावल के भंडार भरे हुए हैं। हम चाहते हैं कि हमारे देश का कोई भी नागरिक भूखा न सोए। National Food Security Act बनाने का हमारा पक्का इरादा है। हमारा Public Distribution System में सुधार लाने का भी इरादा है, ताकि सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े तबकों को Food Security Act का पूरा फायदा पहुंच सके। इस काम में केन्द्र और राज्य सरकारों को मिल-जुलकर काम करना होगा। यहां मैं कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं से कहना चाहूंगा कि वे लोगों में चौकसी पैदा करें, ताकि Public Distribution

System जैसी व्यवस्थाएं और असरदार बन सकें। बुनियादी ढांचे को सुधारने की कोशिशों में हमें कुछ कामयाबी मिली है। हम इन कोशिशों को और तेज़ करेंगे। सड़कों, हवाई अड्डों, रेलवे, बिजली सप्लाई वगैरह में सुधार किया जाएगा, ताकि अच्छे बुनियादी ढांचे की कमी की वजह से हमारी तरक्की पर खराब असर न पड़े।

अल्पसंख्यकों की भलाई के लिए जो खास पहल की गई है, उसमें तेज़ी लाई जाएगी। इनमें अल्पसंख्यकों की ज़्यादा तादाद वाले ज़िलों के विकास के लिए शुरू किए गए विशेष कार्यक्रम तथा अल्पसंख्यक छात्रों के लिए वज़ीफों की योजनाएं शामिल हैं। महिलाओं और बच्चों के लिए भी हमने खास कोशिशें की हैं। हम जानते हैं कि बच्चों में Malnutrition हमारे देश के लिए गंभीर चिंता का एक विषय है। अभी हाल ही में हुई Prime Minister's National Council की बैठक में मैंने ICDS Programme में सुधार लाने के निर्देश दिए हैं ताकि इस समस्या को सुलझाने में हम आगे बढ़ सकें।

शहरी इलाकों में झुग्गियों में रहने वाले लोगों को ज़मीन का मालिकाना हक देने के लिए हम राजीव गांधी आवास योजना को आखिरी शक्ल दे रहे हैं। यह हमारे उस वादे का एक हिस्सा है, जो हमने भारत को झुग्गी-झोपड़ी रहित देश बनाने के लिए किया था।

हमें अपनी सारी योजनाओं में पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखने की ज़रूरत है। हमारे ज़मीन और पानी के संसाधन सीमित मात्रा में हैं और उनका इस्तेमाल हमें सूझ-बूझ के साथ करना है। हम अपने जंगल, पहाड़ और नदियों की सुरक्षा पर पूरा ध्यान देंगे। हवा और पानी के प्रदूषण को कम करने के लिए हम पूरी कोशिश करेंगे।

हमारे देश में महंगाई फ़िक्र की एक बड़ी वजह बनी हुई है। हमने बढ़ती महंगाई पर काबू पाने की पूरी कोशिश की है, और आगे भी करते रहेंगे। अभी हाल में महंगाई की दर घट कर 7.5% हो गई है। हम उम्मीद करते हैं कि यह सिलसिला जारी रहेगा और अगले मार्च महीने तक महंगाई की दर 5.5% के करीब आकर ठहर जाएगी।

आज दुनिया भर में भारत को आदर और सम्मान के साथ देखा जाता है। वक्त के साथ हमारी अहमियत और बढ़ेगी। आने वाले वक़्त में, हमें बहुत से क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी के साथ मिलकर काम करना होगा। हमें अंतर्राष्ट्रीय मामलों में जिम्मेदारी के साथ अपनी भूमिका अदा करनी होगी। इसके अलावा, हमें अपने उसूलों पर भी चलते रहना होगा।

हमारी विदेश नीति का मकसद है कि हम दूसरे देशों के साथ मिलकर शांतिपूर्ण माहौल में भारत और विश्व समुदाय दोनों के फायदे के लिए काम करें। यह हमारे लिए इत्मीनान की बात है कि इस साल के आखिर तक UN Security Council के पांचों सदस्य देशों के नेता एक ही साल में भारत का दौरा कर लेंगे। रूस के साथ हमारे रिश्ते रिवायती तौर पर खुशगवार और दोस्ताना रहे हैं। हमें पूरा यकीन है कि आइन्दा भी बहुत अच्छे ताल्लुकात का यह सिलसिला बरकरार रहेगा। अमेरिका और पश्चिम की दूसरी बड़ी ताकतों के साथ हमारे ताल्लुकात लगातार मज़बूत होते रहे हैं। हमने अपनी Look East Policy के तहत East और South East Asia के साथ अपने रिश्तों पर भी खास ध्यान दिया है। कई East और South East Asia के देशों के साथ आर्थिक समझौते किए गए हैं, या किए जा रहे हैं। खाड़ी के देशों और अफ्रीकी देशों के साथ हमारे रिश्ते हमेशा अच्छे रहे हैं, जिन्हें हम और मज़बूत करने की कोशिश कर रहे हैं। हमारा मानना